वार्तालाप नं.546, हंसारी (झाँसी), ता.1–4–10
Disc.CD No.546, dated 1.4.10 at Hansari, Jhansi
Extracts-Part-1

समय 4.25–5.00
जिज्ञासुः– बाबा, ये आत्मा एक जन्म तो पुरुष चोले में आती है और दूसरे जन्म स्त्री चोले में कभी2 दो जन्मों में आती है इसका प्रमाण क्या है?
बाबाः– उसका प्रमाण क्या? उसका प्रमाण ये है कि कोई2 के स्त्री जन्म के चोले के संस्कार पूरे नहीं होते हैं। स्त्री जन्म की जो हबिस होती है वो पूरी नहीं हुई, जब हबिस ही पूरी नहीं हुई तो अगला जन्म कौनसा होगा? स्त्री चोला होगा।

Time: 4.25-5.00
Student: Baba, a soul takes a male body in one birth and a female body in the next birth; sometimes it takes two consecutive births (in the same gender); what is its proof?
Baba: What is its proof? Its proof is that in case of some their *sanskars* of the female birth are not fulfilled. The desires of the female birth are not fulifilled; when the desire itself is not fulfilled, then what will be the next birth? It will be a female body.

समय 9.30–10.50
जिज्ञासुः– बाबा, माया को माया बेटी कहते हैं। फिर बाद में बोल दिया है बाबा ने मुरली में कि माया मौसी भी है।
बाबाः– माया मौसी भी है।
जिज्ञासुः– फिर बाबा की माया बेटी है तो फिर हम बच्चों के आधार से माया तो हमारी बहन हुई ना। मौसी कैसे है?
बाबाः– ऐसा है आज की दुनियां कलियुगी दुनियां है। माया कलियुगी दुनियां में होती है, या सतयुगी दुनियां में? कलियुगी दुनियां में माया होती है। कलियुगी दुनियां में जो माया होती है वो माया बेटी इसलिए कहा कि बेटी तो है लेकिन बेटी की अगर दिल हो जाये बाप के ऊपर तो दिल खराब हो गई ना। दिल अच्छी तो नहीं हुई। इसलिए बाबा मुरली में बोलते हैं बाप बच्ची को नहीं छोड़ता, भाई बहन को नहीं छोड़ता, चाचा भतीजी को नहीं छोड़ता, जीजा साली को नहीं छोड़ता, कलियुग की दुनियां में ऐसे ही धमचक्कर मचा हुआ है घरों2 में। इसलिए माया बेटी हो जाना और माया मौसी हो जाना ये कोई बड़ी बात नहीं है।

Time: 9.30-10.50
Student: Baba, Maya is called daughter Maya. Then later on Baba has said in the murli that Maya is *mausi* (maternal aunt) as well.
Baba: Maya is mausi as well.
Student: So, if Maya is Baba's daughter then according to us children she is our sister, isn't she? Then, how is whe our *mausi*?
Baba: Actually, today's world is the IronAge world. Does Maya exist in the IronAge world or in the GoldenAge world? Maya exists in the IronAge world. Maya that exists in the IronAge world has been called daughter Maya because although she is a daughter, yet if the daughter loses her heart to the father, then the heart became bad, didn't it? The heart is not good. This is why Baba says in the murli that a father does not spare his daughter; a brother does not spare his sister, a paternal uncle (*chacha*) does not spare his neice; a brother-in-law (*jija*) does not spare his sister-in-law (*saali*); in the world of Iron Age, such turmoil is going on in every home. This is why it is not a big issue if Maya becomes a daughter or if she becomes a *mausi*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय 10.55–11.20
जिज्ञासुः– बाबा कहते हैं कि ब्रह्मा में मैं कब आता हूँ और कब जाता हूँ पता ही नहीं पड़ता।
बाबाः– हाँ।
जिज्ञासुः– लेकिन आने का तो ठीक है पर जाते कहाँ पर हैं?
बाबाः– आने का पता पड़ता है ब्रह्मा में?
जिज्ञासुः– नहीं। जब ज्ञान सुनाते हैं तो पता पड़ता है।
बाबाः– ज्ञान सुनाते हैं तो पता पड़ता है। फिर ज्ञान सुनाना बंद कर देते हैं तो पता नहीं चलता?
जिज्ञासुः–नहीं, फिर बाबा जाते कहाँ हैं? जाते कहाँ हैं? बैल पर हमेशा सवारी होती है क्या? अरे, बैल पर हमेशा कोई चढ़ा रहेगा ना, थक नहीं जायेगा?

Time: 10.55-11.20
Student: Baba says that no one can know when I come in Brahma and when I go from him.
Baba: Yes.
Student: But as regards His coming, it is all right, but where does He go?
Baba: Do you come to know of the coming in Brahma?
Student: No, we come to know it when He narrates knowledge.
Baba: You come to know when He narrates knowledge. Then do you not come to know when He stops narrating knowledge?
Student: No, then where does Baba go?
Baba: Where does He go? Does He always ride on the bull? *Arey*, if someone always sits on the bull, will he not become tired?

समय 11.25–12.43
जिज्ञासुः– बाबा, गुल्जार दादी में जैसे ब्रह्मा बाबा आते हैं और अव्यक्त वाणी चलाते हैं ना। तो सभी का पूछना है कि उनको बाप–दादा क्यों बोलते हैं?
बाबाः– बाप–दादा इसलिए बोलते हैं कि मुरली में, और अव्यक्त वाणी में बोला है तुम बच्चे मेरे को जितना याद करेंगे उतना मैं तुम्हारे साथ हूँ। तो हम बच्चों के बीच में, याद करने वाले बच्चों के बीच में सबसे जास्ती तीखी याद किसकी है? ब्रह्मा बाबा की। जो ब्रह्मा बाबा की तीखी याद है वो गुल्जार दादी में भी जब प्रवेश करते हैं तो तीखी याद में रहते हैं तो बाबा के साथ हैं या नहीं हैं? शिव के साथ हैं। इसलिए दोनों का नाम साथ2 लिया जाता है। बाप और दादा। बाकी ऐसे नहीं है कि सूक्ष्मवतनवासी में कोई शिव प्रवेश करता है। सूक्ष्मवतनवासी फरिश्ते होते हैं या पतित तन होता है? फरिश्ते होते हैं। तो फरिश्तों में शिव प्रवेश करेगा क्या? और गुल्जार दादी तो बचपन से ही कन्या है। कन्या में शिव की प्रवेशता कैसे साबित होगी? तो ऐसा नहीं है कि शिव उसमें प्रवेश करता है इसलिए बाप–दादा है। बल्कि शिव को ब्रह्मा की सोल सदा याद करती है इसलिए साथ2 नाम लिया जाता है बाप–दादा।

Time: 11.25-12.43
Student: Baba, when Brahma Baba comes in Dadi Gulzar, he narrates avyakt vani, doesn't he? So, everyone's question is that why is she called Bapdada?
Baba: He is called Bapdada because it is said in the murlis and avyakta vanis: The more you children remember Me, the more I am with you. So, whose remembrance is the sharpest among us children, among the children who remember [the Father]? Brahma Baba's. When Brahma Baba's remembrance is sharp, he remains in sharp remembrance even when he enters in Dadi Gulzar. So, is he with Baba or not? He is with Shiva. This is why the names of both of them are taken together. Bap and Dada. As for the rest, it is not that Shiva enters in the subtle world dweller. Are the subtle world dwellers angels or do they have sinful bodies? They are angels. So, will Shiva enter the angels? And Gulzar Dadi is a virgin from her childhood. How will the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

entrance of Shiva be proved in a virgin? So, it is not that he is Bapdada because Shiva enters him. But rather the names Bap and Dada are taken together because Brahma's soul always remembers Shiva.

समय 12.45–13.52
जिज्ञासुः– बाबा, अभी बाबा ने मुरली में बोला कि जो सर्विस करते हैं बच्चे तो बाबा उनको याद करते हैं, पर जो बाँधेली मातायें हैं नहीं निकल पाती हैं बाबा उनको याद नहीं करते हैं क्या?
बाबाः– बाँधेली मातायें याद नहीं करती हैं क्या?
जिज्ञासुः–नहीं। याद तो करती हैं परन्तु सर्विस के लिए नहीं निकल पाती हैं तो।
बाबाः– याद करना सर्विस नहीं है? मनसा सेवा सबसे बड़ी है, या वाचा सेवा सबसे बड़ी है, या दृष्टि सेवा सबसे बड़ी है, या कर्मणा सेवा सबसे बड़ी है? मनसा सेवा तो सबसे बड़ी है। इसलिए तो बोला है कि मातायें ही स्वर्ग का द्वार खोलेंगी। पुरुषों के द्वारा क्यों नहीं बोला? भागदौड़ तो सबसे जास्ती पुरुष करते हैं, फिर उनके द्वारा क्यों नहीं बोला कि स्वर्ग के गेट पुरुष खोलेंगे? क्योंकि बाँधेली माताओं की संख्या यहाँ ज्यादा हैं ज्ञान में। और उनकी बुद्धि योग जास्ती बाबा के साथ लगा रहता है इसलिए वायुमण्डल को बहुत कुछ सुधारने में सहयोग देती हैं। वो ज्यादा सर्विसेबुल हैं।

Time: 12.45-13.52
Student: Baba, just now Baba said in the murli: the children who do service are remembered by Baba; but the *bandheli*[1] mothers are unable to come out [for service]; so, doesn't Baba remember them?
Baba: Don't the *bandheli* mothers remember [Baba]?
Student: No, they do remember, but they are unable to come out for service.
Baba: Is remembering [Baba] not *service*? Is the service through mind the highest, is the service through words the highest, is the service through vision the highest or is the service through actions the highest? Service through mind is the highest. This is why it has been said that only the mothers will open the gate of heaven. Why wasn't it said [that the gate of heaven will be opened] by men? Men do [the service through] running around the most. Then, why wasn't it said that the gates of heaven will be opened by men? It is because the number of the *bandheli* mothers is more in this knowledge and their intellect is connected more with Baba; this is why they help a lot in improving the atmosphere. They are more *serviceable*. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समय 25.20–28.00
जिज्ञासुः साक्षात्कार के द्वारा जो 30 बाई 40 इंच के जो चित्र बनवाये गये हैं जो त्रिमूर्ति का चित्र है उसमें एक लिखत दी गई है कि ज्ञानामृत के सागर परमप्रिय भगवान शिव कहते हैं कि प्रिय वत्सों! मैं नाम–रुप से न्यारा हूँ, या सर्वव्यापी नहीं हूँ, बल्कि मेरा नाम शिव है, मेरा अव्यक्त रुप ज्योतिर्लिंगम है। ब्रह्मा, विष्णू, शंकर का भी रचयिता होने के कारण मैं त्रिमूर्ति कहलता हूँ। मेरा अव्यक्त ज्योतिर्लिंगम रुप न तो देवताओं के सूक्ष्म शरीर के समान है, न मनुष्यात्माओं के स्थूल शरीर के सदृश्य है। इस कारण मुझे निराकार कहा जाता है। बाबा इसमें लिखा हुआ है कि न तो देवताओं के सूक्ष्म शरीर के रुप के समान है। तो देवताओं का तो स्थूल शरीर होता है बाबा तो इसमें सूक्ष्म देवताओं के समान है क्या मतलब?

[1] Those who are in bondage.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 25.20-28.00
Student: Among the pictures of 30 by 40 inches size which were prepared on the basis of visions, in the picture of Trimurty, there is a write-up: 'The ocean of the nectar of knowledge the dearest God Shiva says: Dear children! I am beyond name and form and I am not omnipresent. Rather my name is Shiva. My unmanifest form (*avyakt roop*) is a *lingam* of light (*jyotirlingam*). Because of being the creator of Brahma, Vishnu as well as Shankar I am called *Trimurty*. My unmanifest *jyotirlingam* form is neither like the subtle body of the deities, nor like the physical body of the human souls. This is why I am called incorporeal'. So Baba, it has been written in it that neither is [my form] like the subtle bodies of the deities; so, Baba deities have a physical body; so, what is meant by having a subtle body like the deities?

बाबाः माना बिंदुरुप है। ज्योतिर्लिंग है, ज्योति का लिंग है।
जिज्ञासुः बाबा, न तो देवताओं के सूक्ष्म शरीर के समान है। तो क्या देवताओं का शरीर सूक्ष्म होता है?
बाबाः देवताओं का, ब्र.वि.शं. ये देवताओं का सूक्ष्म शरीर नहीं है? जब आकारी स्टेज बनती है मनन चिंतन मंथन की स्टेज बनती है तो क्या स्थूल शरीर होता है? स्थूल शरीर तो विस्मृत हो जाता है।
जिज्ञासुः तो जो बाबा मनुष्य से देवता बनते हैं उनके शरीर स्थूल होंगे?
बाबाः हाँ, स्थूल शरीर से नर से नारायण बनते हैं। (जिज्ञासु–तो सूक्ष्म शरीर?) ऐसी स्टेज बनाते हैं बीच में आकारी। जब तक फरिश्ता नहीं बने हैं तब तक देवता नहीं बन सकते। कोई शरीर रहते2 फरिश्ता बन जाते हैं और कोई शरीर छोड़ करके फरिश्ता बनते हैं। जैसे ब्रह्मा बाबा शरीर छोड़ करके फरिश्ता बने। और जो एड़वान्स पार्टी वाली आत्मायें हैं वो शरीर छोड़ करके देवता नहीं बनती हैं। न सूक्ष्म शरीरधारी देवता बनती हैं।
जिज्ञासुः यही पाइन्ट बाबा उठाके वो कहते यही वाला।
बाबाः कौन?
जिज्ञासुः विष्णु पार्टी वाले। यही दिखाते हैं।
बाबाः वो जो कुछ भी दिखाते हैं उनसे पूछो तुम्हारा बाप कौन है सो हमें बताओ। पहली बात उनकी ये पकड़ो कि बाप कौन है हमें पहले ये परिचय दो बाप कहाँ है?
जिज्ञासुः दिखाते हैं लेटर तुम्हारे बाबा ऐसे भेजे हैं।
बाबाः अरे, उसको छोड़ो। लेकिन बाप की पहचान तो हमें दा। बाप कौन है सो बताओ। वो भी नहीं बतायेंगे।

Baba: It means that He has the form of a point. He is a *jyotirling*, a *ling* of light.
Student: Baba, 'neither is it like the subtle body of the deities'. So, do deities have a subtle body?
Baba: Don't the deities like Brahma, Vishnu, and Shankar have a subtle body? When they develop a subtle stage, a stage of thinking and churning, do they have a physical body? They forget the physical body.
Student: So, Baba, do those who are transformed from a human being to a deity have a physical body?
Baba: Yes, they are transformed from a man to Narayan through a physical body. (Student: so, the subtle body?) They develop such subtle stage in between. Until they have become angels, they cannot become deities. Some become angels while being in the body and some become angels after leaving the body. For example, Brahma Baba became an angel after leaving the body. And the souls of the advance party do not become deities after leaving the body. Neither do they become subtle bodied deities.
Student: Baba, this is the very point they raise.
Baba: Who?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Those who belong to the Vishnu Party. They show this.
Baba: Whatever they show, ask them: who is your father; tell us. First of all catch them by the point: who is the Father? First give us His introduction, where the Father is.
Student: They show, [see] your Baba has sent letter like this.
Baba: *Arey*, leave it. [Ask them:] "But do give the Father's introduction to us. Tell us who the Father is." They will not reveal that either.

समय 28.55–29.40
जिज्ञासुः बाबा, भक्ति मार्ग में कहते थे रावण की सोने की लंका थी और सोना माना सच्चाई।
बाबाः ठीक है। तो हिरण्यकश्यप नाम क्यों रखा गया? हिरण्य+काश्य+प हिरण्य माना सोना, काश्य माना तेज, प माना पीने वाला। जो हिरण्य कश्यप है वो ही रावण है, वो ही कंस है कि दूसरा है? वो ही है। तो हिरण्य कश्यप का काम ही है कि सोने जैसी जो सच्ची2 आत्मायें हैं उनके तेज को पी लेता है। और पॉवरफुल बन जाता है। इसलिए रावण की सोने की लंका कही जाती है।

Time: 28.55-29.40
Student: Baba, it is said in the path of *bhakti* (devotion): there was a golden Lanka of Ravan and gold means truth.
Baba: It is correct. So, why was the name Hiranyakashyap coined? *Hiranya+Kashya+Pa. Hiranya* means gold; *kaashya* means luster; *pa* means the one who drinks. Is Hiranyakashyap himself Ravan and Kansa or someone else? They are the same. So, the very task of Hiranyakashyap is to drink the luster of the true, gold like souls and become *powerful*. This is why Ravan is said [to have] a golden Lanka.

समय 30.27–31.19
जिज्ञासुः बाबा, श्री कृष्ण , श्याम–सुंदर को दिखाते हैं कि जेल में गए। वो कौनसे कृष्ण हैं जो जेल में गए?
बाबाः श्याम ही है। श्याम जेल में जाएगा कि सुंदर जेल में जाएगा?
सभीः श्याम।
बाबाः जब आत्मा पवित्र बन जाएगी तो कोई उसको टेढ़ी नज़र से देखेगा भी नहीं। कोई टेढ़ी बात भी सामने आकरके नहीं करेगा। टेढ़ा वायब्रेशन भी नहीं छोड़ेगा।
जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा?
बाबाः ब्रह्मा बाबा क्या? ब्रह्मा बाबा तो खतम हो गए।
जिज्ञासुः वो कृष्ण बनेंगे।
बाबाः कृष्ण बनेंगे? कृष्ण सतयुग में बनेंगे या संगम में बनेंगे?
जिज्ञासुः तो वो कृष्ण कब जेल में गया?
बाबाः उनके जाने की बात ही नहीं है। भगवान को जेल में डाला गया। कृष्ण को जेल में नहीं... कृष्ण तो सतयुग में पैदा होता है। उसे जेल में डालने की बात नहीं है।

Time: 30.27-31.19
Student: Baba, Shri Krishna, Shyam-Sundar is shown to be imprisoned. Who is that Krishna who was imprisoned?
Baba: He is Shyam (the dark one) himself. Will Shyam be imprisoned or will Sundar (the beautiful one) be imprisoned?
Everyone: Shyam.
Baba: When the soul becomes pure, no one will look at him with a suspicious vision at all. No one will speak harshly in front of him at all. No one will spread opposite vibration [against him].
Student: Brahma Baba?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: What Brahma Baba? Brahma Baba is dead.
Student: He will become Krishna.
Baba: He will become Krishna? Will he become Krishna in the Golden Age or in the Confluence [Age]?
Student: Then, when was that Krishna imprisoned?
Baba: It isn't about his going [in the jail] at all. God was imprisoned. Krishna wasn't imprisoned… Krishna is born in the Golden Age. It isn't about him being imprisoned.

समय 31.19–31.46
जिज्ञासुः बाबा, जैसे भट्ठी करके आते हैं तो बाहर का खाना नहीं खाया जाता। जैसे किसीको मर्ज होता है तो वो दवा भी न खाए तो वो योग द्वारा ठीक हो जाएगा?
बाबाः हाँ, अगर इतना विश्वास पक्का है, निश्चय पक्का है तो ठीक होगा।
दूसरा जिज्ञासुः तो बाबा दवा नहीं खाना है?
बाबाः दवा खाओ। अगर तुम्हारे में ताकत है तो मत खाओ।

Time: 31.19-31.46
Student: Baba, when we come after undergoing the *bhatti*, we should not eat the outside food. Suppose, if someone is sick and he doesn't eat medicine, then will he be cured through remembrance?
Baba: Yes, if you have such firm belief, firm faith, then you will be cured.
Another Student: So Baba, shouldn't we eat medicines?
Baba: Eat medicines, if you have power then don't eat it.

समय 33.32–34.44
जिज्ञासुः बाबा एक मुरली में पढ़ा था कि भल राधा–कृष्ण का जन्म हो जाये जब भी संवत की शुरुआत नहीं होगी। वो गद्दी पर बैठेंगे तब संवत शुरू होगा।
बाबाः संवत शुरु होने का मतलब है दिन गिनना। और दिन दुःख में गिने जाते हैं, या सुख में गिने जाते हैं? दुःख में दिन गिने जाते हैं। तो दुःख की दुनियां द्वापरयुग के शुरुआत से होती है, या सतयुग, त्रेता में दुःख की दुनियां होती है?
जिज्ञासुः द्वापरयुग से।
बाबाः तो द्वापरयुग जब से शुरु हुआ आज से 2500 साल पहले तब से दिन गिनना शुरु कर दिया। तो हिस्ट्री बन गई। इसलिए 2500 साल की हिस्ट्री मिल रही है। और 2500 साल की हिस्ट्री होती ही नहीं। क्योंकि दिन गिनने की वहाँ बात ही नहीं। वहाँ सुख ही सुख है।
जिज्ञासुः राधा–कृष्ण का जन्म तो सतयुग में होगा।
बाबाः– राधा–कृष्ण का जन्म सतयुग में होगा, लेकिन जिस राधा–कृष्ण का शास्त्रों में गायन है उसका जन्म कहाँ होगा? कहाँ होगा? संगम में होगा।

Time: 33.32-34.44
Student: Baba, I had read in a murli that even after Radha and Krishna are born, the [new] era will not begin. The [new] era will begin when they will be enthroned.
Baba: Commencement of an era means counting of days and are the days counted in times of sorrow or in the happy times ? The days are counted in sorrow. So, does the world of sorrow begin from the beginning of the Copper Age or does the world of sorrow exist in the Golden and Silver Ages?
Student: From the Copper Age.
Baba: So, they started counting days ever since the Copper Age began 2500 years ago. So, history was made. This is why we find the history of 2500 years and there is no history of the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

[other] 2500 years because there is no question of counting days there. There is always only happiness there.

Student: Radha and Krishna will be born in the Golden Age.

Baba: Radha and Krishna will be born in the Golden Age but where will the Radha and Krishna, who are praised in the scriptures, be born? Where will [they be born]? In the Confluence [Age]. .... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समय 35.33–37.09
जिज्ञासुः– अभी जब भट्ठी करने के लिए गये थे सफर में तो बताया ट्रैन में बाबा के साथ रहे थे दशरथ पटेल और पूरी जानकारी लेने के बाद आज वो विष्णु बन गये।
बाबाः– बन गये? आप कह रहे हैं?
जिज्ञासुः नहीं। सफर में फर्रुखाबाद के लोगों ने बताया कि आज जो बाबा के साथ रहते थे सारे मुरलियों का अध्ययन करके आज वो अपने आप को विष्णु साबित कर रहे हैं।
बाबाः– साबित करना एक अलग बात है। विष्णु बन जाना एक अलग बात है।
जिज्ञासुः– .... एक विज्ञापन में भी देखें स्टेशन पे काफी बड़ा उनका चित्र लगा हुआ था दशरथ पटेल का, काफी भीड़ थी बताय रहे हैं। वो मुरलियों के द्वारा वो अध्ययन करके विष्णु बने हैं?

Time: 35.33-37.09
Student: Recently when I went to attend the *bhatti*, during the train journey I was told that Dashrath Patel used to live with Baba and after obtaining the entire information, he became Vishnu.
Baba: Did he become [Vishnu]? Are you saying [this]?
Student: No. During the journey, people of Farrukhabad said that he used to live with Baba [and] today he is trying to prove himself to be Vishnu after studying all the murlis.
Baba: Proving is a different thing and becoming Vishnu is a different thing.
Student: .... I also saw an advertisement at the station; there was a very big picture of Dashrath Patel; it was reported that there was a lot of crowd. So, he has studied our murlis itself and become Vishnu.

बाबाः– उनसे पूछो, वो सब मुरलियों को मानते हैं? वो मुरलियों को भी नहीं मानते तो चार चित्रों को भी नहीं मानते, तो ब्रह्मा बाबा को भी नहीं मानते, किसी को भी नहीं मानते।
जिज्ञासुः वैसे तो बाबा वो रहे तो अपने साथ हैं, अपने यहां भट्ठी भी किये।
बाबाः– रहने के लिए यहाँ एक्स, व्हाय, जेड़ जिन्होंने भट्ठी नहीं की है वो यहाँ नहीं बैठे हैं क्या?
जिज्ञासुः वही भट्ठी कर लिया फिर उसके बाद जाके ये सब गलत व्यवहार किया। ऐसे कैसे?
बाबाः क्या बड़ी बात है? शास्त्रों में गायन नहीं है घुस के बैठ गया।
जिज्ञासुः राहु, केतु।
बाबाः अमृत बाँटा गया तो घुसके चुप चाप बैठ गया। क्या ये गायन नहीं है क्या?
जिज्ञासुः दशरथ पटेल को ही कहेंगे क्या राहू–केतू?
दूसरा जिज्ञासुः और क्या वो ही तो है ये।
बाबा हँस रहे हैं।

Baba: Ask them whether they accept all the murlis. They do not accept either the murlis or the four pictures; they neither accept Brahma Baba nor anyone else.
Student: Baba, he lived with us and underwent the *bhatti* as well.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: As far as living with us is concerned, aren't X, Y, Z who haven't done the *bhatti* sitting here?
Student: He underwent the *bhatti* and performed all these wrong acts. How?
Baba: What is a big issue in it? Is it not famous in the scriptures that he intruded and sat [amongst the deities]?
Student: Rahu, Ketu[2].
Baba: Yes, when the nectar was distributed, he intruded and sat quietly. Is it not famous?
Student: Will Dashrath Patel himself be called Rahu, Ketu?
Another student: Yes off course, he himself is that.
Baba is laughing.

समय 40.00–43.03
जिज्ञासुः– बाबा, अभी मम्मा यज्ञ छोड़कर क्यों चली गई?
बाबाः– मम्मा यज्ञ छोड़ करके क्यों चली गई? जो बड़ी अम्मा है, वो विदेशियों की अम्मा है या नहीं? अरे, जोर से बोलो।
जिज्ञासुः है।
बाबाः विदेशियों की अम्मा है? जब विदेशी है तो वो विदेशी डायवोर्स देकर के जाती हैं औरतें कि नहीं जाती हैं?
जिज्ञासुः जाती हैं।
बाबाः तो विदेशी औरतों की अम्मा है कि नहीं? जो अम्मा नहीं करेगी तो बच्चियाँ कैसे करेंगी? और एक है जगदम्बा, और उसके मुकाबले एक है भारत माता। भारत माता और जगदम्बा में क्या अंतर है? भारत मातायें वो हैं जो एक खसम छोड़के दूसरा खसम नहीं करती। और विदेशी मातायें वो हैं जो एक खसम छोड़ देती हैं और फिर दूसरा खसम कर लेती हैं।

Time: 40.00-43.03
Student: Baba, why did Mamma leave the *yagya* now?
Baba: Why did Mamma leave the *yagya*? Is the senior mother a mother of the foreigners or not? *Arey*, speak loudly.
Student: She is.
Baba: Is she the mother of the foreigners? When they are foreigners... do the foreign women give divorce and leave or not?
Student: They do leave.
Baba: So, is she the mother of the foreign women or not?
Everyone said: She is.
Baba: If the mother does not do something, then how can the daughters do it? One is Jagdamba and when compared to her the other is Mother India (*Bharatmata*). What is the difference between Mother India and Jagdamba (the world mother)? Mothers of India are those who do not leave one husband and adopt another husband and foreign mothers are those who leave one husband and make another.

जिज्ञासुः वो अंत में वापस आयेंगी ये क्यों कहा है?
बाबाः अरे! जो अच्छा संबंध जोड़ने वाला होता है... भगवान कृष्ण के लिए कहा गया जैसे शास्त्रों में। या तो ये किसी से संबंध जोड़ता नहीं और जोड़ता है तो कभी तोड़ता नहीं। तो ये क्या अच्छी बात है कि जो कोई गिर गया है तो उसे गिरा हुआ ही बना रहने दें? उसको

[2] Demoic characters in the Indian Mythology.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

उठाया न जाए? कोई भी आत्मा है उसके सतोप्रधान पार्ट को याद करना चाहिए या तमोप्रधान पार्ट को याद करना चाहिए?
जिज्ञासुः सतोप्रधान।
बाबाः सतोप्रधान पार्ट जब बजाया अगर उस समय ये सहयोग न दिया होता तो इतने सब यहाँ बैठे होते क्या? (सभी–नहीं।) जगदम्बा ने अगर पहला कदम न बढ़ाया होता सरेण्डर होने के लिए तो अभी जो 700 कन्यायें यज्ञ में सरेण्डर हैं एडवान्स में वो दिखाई पड़ती क्या? (सभी–नहीं।) तो सतोप्रधान चीज देखना चाहिए। तमोप्रधान पार्ट हम किसीका क्यों देखें? जो तमोप्रधान पार्ट बजाया जा रहा है वो भी कोई ड्रामा में कल्याण है। जिस कल्याण के लिए वो पार्ट बजाया जा रहा है।

Student: Why is it said that she will come in the end?
Baba: *Arey*, the one who maintains relationship nicely... Just as it is said in the scriptures about God Krishna: He doesn't join relationship with anyone and if he joins [a relationship], he never breaks it. So, is it a good thing to let someone who has fallen down remain fallen down itself? Shouldn't we uplift him? Whether it is any soul, should we remember his *satopradhan* part or should we remember his *tamopradhan* part?
Student: *Satopradhan*.
Baba: When she played a *satopradhan* part, had she not helped at that time, then would all these people be sitting here? (Everyone: No.) Had Jagadamba not stepped ahead first to surrender herself then would the 700 virgins who are surrender in the *yagya* today, in the Advance [party] be visible? (Everyone: No.) So, we should see the *satopradhan* thing, why should we see the *tamopradhan* part of someone? The *tamopradhan* part which is being played is also beneficial in the drama. For that benefit that part is played.

जिज्ञासुः बाबा, लेकिन सबसे पहले तो सरेण्डर रूकमणी हुई थीं।
बाबाः तो फिर.... सरेण्डर होना बड़ी बात है या निभाना बड़ी बात है? (सभी–निभाना।) ये ज़रूर है कोई 15 दिन, महिने भर निभाएगा और कोई सालों साल निभाएगा बाद में नीचे टूट पड़ेगा। कोई लगातार सारा जीवन पार्ट बजाएगा, निभाएगा और कभी भी तोड़ेगा नहीं। तो कौनसा अच्छा हुआ?
सभीः निभाना।
बाबाः तो भारतमाता है एक बार जोड़ने के बाद कभी भी न तोड़ने वाली। जगदम्बा है... जो जगत की मातायें... जगत में दूसरे–2 धर्म की आत्मायें हैं वो उनकी भी माँ है। उनके संस्कार उनके संग के रंग लगते हैं।

Student: Baba, but first of all Rukmani was surrendered herself.
Baba: Then.... is being surrendered a great thing or is it something great to maintain [the relationship]? (Everyone: to maintain.) It is certain that someone will maintain for 15 days or a month and someone will maintain for years and later on will fall down. Some are such who will play their part the entire life; they will maintain it and will never break it. So, what is good?
Student: to maintain.
Baba: So, Mother India is the one who never breaks [the relationship] if she joins it once. Jagadamba.... the mothers of world… There are the souls of other religion in the world; she is their mother as well. She is coloured by their sanskars and company.

समय 44.14–45.09
जिज्ञासुः– बाबा, मुरली में बोला है बाप को याद करते2 आँसू आ जानी चाहिए। ये आँसू विजयमाला के मणके बनते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः– ये तो बड़ी अच्छी बात है सरसों का तेल ड्रापर में रखो, और याद करते जाओ, एक2 बूँद लगाते जाओ। आँसू लगातार आते रहेंगे।
दूसरा जिज्ञासुः फिर सीधा पानी ही लगा लें?
बाबाः पानी नहीं। पानी तो पानी होगा आँसू थोड़े। आँसू तो नमकीन होता है। पानी नमकीन थोड़े ही होता है?
जिज्ञासुः बाबा, विजयमाला के मणके बनते हैं।
बाबाः हाँ, माने जिनको ओरिजनल दुःख आता है कि हम तो आराम से महलों में बैठे हैं, और बाप का पार्ट देखो कितना खतरनाक है। तो उनको आँसू आते हैं। दुःख आता है। बाप कहते हैं ऐसा जिनके अंदर प्यार भरा हुआ है तो उस प्यार के आँसू मोती बन जावेंगे।

Time: 44.14-45.09
Student: Baba, it has been said in the murli that we should get tears while remembering the Father. These tears will become the beads of *Vijaymala*.
Baba: This is a very good thing. Keep mustard oil in a dropper and go on remembering [Baba] and go on putting drops one by one [in the eyes]. There will be a continuous flow of tears☺.
Another Student: Then, can't we pour water directly?
Baba: Not water. Water will be [plain] water, not tears. Tears are salty. Water isn't salty.
Student: They become the beads of *Vijaymala*.
Baba: Yes, it means that those who feel original pain [thinking:] "We are sitting comfortably in palaces and look, the Father's part is so dangerous", so, they get tears. They feel sorrowful. The Father says: Those who are filled with such love, the tears of that love will become pearls. ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समय 45.30–47.20
जिज्ञासुः– बाबा, पतित से पावन कैसे बने? पहले पतित थे, अब पावन बने या पतित बने, फिर पावन बने?
बाबाः– पावन से पतित कैसे बने? पावन थे देवतायें द्वापर में, द्वापर के आदि में, त्रेता के अंत में देवतायें पावन थे। वो पावन देवतायें पतित कैसे बने द्वापरयुग से? क्या कारण हुआ? अरे, कारण समझ में आया कि नहीं? क्या कारण हुआ?
जिज्ञासुः– विकार में।
बाबाः– नहीं।
दूसरा जिज्ञासुः– संग के रंग में।
बाबाः– और2 धर्म की आत्मायें ऊपर से ढ़ेर की ढ़ेर उतरी और देवतायें तो मुट्ठी भर थे। क्या? जो त्रेता के अंत में देवात्मायें थी वो सिर्फ 10 करोड़ थी, और ऊपर से कलियुग के अंत तक उतरने वाली आत्मायें कितनी होती है? साढ़े सात सौ करोड़। तो उतरने वालों की संख्या ज्यादा है, या ऊपर से नीचे आने वालों की संख्या ज्यादा है? जो ऊपर से नीचे उतरे उनकी संख्या ज्यादा है। उनका संग का रंग सारे वातावरण को खराब कर देता है। अभी भी ऐसे ही है। अभी पता ही नहीं चलता है कौन कितने2 विधर्मी गुण धर्म धारण किये हुये बैठे हैं? जैसे बाबा कहते है डागली पढ़ाई और गॉडली पढ़ाई। यहाँ कितने माँ–बाप बैठे हैं जो अपने बच्चों को डागली पढ़ाई पढ़ाना बंद कर दिया। इसका मतलब है विदेशी संस्कार कूट2 के भरे हुये हैं। वो छोड़ नहीं सकते।

Time: 45.30-47.20
Student: Baba, how did we transform from sinful to pure? Earlier we were sinful; now we became pure or did we become sinful and then pure?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: How did you change from pure to sinful? The deities were pure in the Copper Age, in the beginning of the Copper Age; the deities were pure at the end of the Silver Age. How did those pure deities become sinful since the Copper Age? What was the reason? *Arey*, did you understand the reason or not? What was the reason?
Student: [Due to indulging] in vices.
Baba: No.
Another Student: In the colour of the company.
Baba: Numerous souls of other religions descended from above and the deieties were [just] a handful. What? The deity souls in the end of the Silver Age were just 10 crores and how many souls descend from above by the end of the Iron Age? 750 crores. So, is the number of those [in whom they] descend (the deity souls) more or is the number of those who descend from above more? The number of those who descend from above is more. The colour of their company spoils the entire atmosphere. Even now it is like this. Now it is not known at all, who has assimilated the qualities of *vidharmi* religions to what extent. For example, Baba speaks [about] the dogly study and the Godly study. How many parents sitting here have stopped teaching the dogly studies to their children? It means they posses the foreign *sanskars* in great measure. They cannot leave them.

समय 51.50–52.39
बाबाः– ये प्रश्न आया कि मुरली में आया है राधा–कृष्ण आपस में कोई भाई–बहन नहीं है। फिर ये बताया एड्वान्स में कि सतयुग में राधा–कृष्ण एक ही माँ–बाप से पैदा होंगे, और आपस में भाई–बहन होंगे। तो ये बातें कैसे साबित होती है? कृष्ण दो हैं या एक है?
जिज्ञासुः दो हैं।
बाबाः दो कौन कौनसे? एक संगमयुगी कृष्ण, एक सतयुगी कृष्ण। तो सतयुगी कृष्ण तो भाई बहन हैं आपस में। लेकिन जो संगमयुगी कृष्ण है वो आपस में भाई–बहन नहीं है। एक माँ बाप के बच्चे नहीं हैं। उनका एक कुल नहीं है। वो अलग–अलग कुल के हैं।

Time: 51.50-52.39
Baba: A question has been asked that it has been mentioned in the murli that Radha and Krishna are not brother and sister among themselves. Then it is said in the advance [knowledge] that Radha and Krishna will be born from the same parents in the Golden Age and they will be brother and sister among themselves. So, how are these topics proved? Are there two Krishnas or one?
Students: There are two.
Baba: Who are the two [Krishnas]? One is the Confluence Age Krishna and the other is the GoldenAge Krishna. So, the Golden Age Krishna [and Radha] are brother and sister among themselves. But the Confluence Age Krishna [and Radha] are not brother and sister among themselves. They are not the children of the same parents. They do not belong to the same clan. They belong to different clans.

समय 53.43–54.18
जिज्ञासुः– बाबा, जीवात्मा बॉटैनिकल भी होती है और जियोलॉजिकल भी होती है। जीवात्मा जिसे कहा जाता है, जीव वनस्पति में भी होता है, और जंतुओं में भी होता है।
बाबाः– हाँ, जी–2 होती है।
जिज्ञासुः– लेकिन जब जंतुओं में से निकलता है जैसे कहा गया है कि परमधाम, शान्तिधाम और सुखधाम में पहुंच जाती हैं। लेकिन ये बॉटैनिकल सोल कहाँ जाती है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः– वो भी जाती हैं परमधाम। कोई में बुद्धि की तीव्रता कम होती है, कोई में बुद्धि ज्यादा होती है। जो बुद्धि की तीव्रता जिनमें ज्यादा होती है वो परमधाम में ऊँची2 स्टेज में रहते हैं, और जिनमें बुद्धि की तीव्रता कम होती है वो पृथ्वी के नजदीक2 रहते हैं।

Time: 53.43-54.18
Student: Baba, a living soul is botanical as well as zoological. There is the living soul (*jeevatma*), life in plants as well as in animals.
Baba: Yes it is.
Student: But when it comes out of the animals, it is said that it reaches the supreme abode, the abode of peace and the abode of happiness. But where do these botanical souls go?
Baba: They too go to the supreme abode. Some have a less sharpness of intellect and some have more intellect. Those who have more sharpness of intellect live in a high stage in the supreme abode and those who have lesser sharpness of intellect live closer to the Earth.

समय 54.17–55.00
जिज्ञासुः– बाबा, जो सिक्ख धर्म है वो इस्लाम, बुद्ध, सन्यासी धर्म, और क्रिश्चियन धर्म के बाद क्यों आया? जबकि वो तो अच्छा माना जाता है।
बाबाः– इसलिए आया कि उनको टक्कर किससे लेनी है? जो सिक्ख धर्म वाले हैं उनको किससे टक्कर लेनी है? इस्लामी और क्रिश्चियन्स से टक्कर लेनी है। तो उनके नजदीक ही उनको आना चाहिए, या पहले आना चाहिए? उनके नजदीक ही आना चाहिए। वो जब तमोप्रधान बने तब उनकी सतोप्रधान स्टेज हो तभी तो टक्कर ले सकेंगे।

Time: 54.17-55.00
Student: Baba, why did Sikhism come after Islam, Buddism, Sanyas religion and Christianity although it is considered to be good?
Baba: It came [after all these religions] because whom is it supposed to confront? Whom do those who belong to the Sikh religion have to confront? They have to confront the people of Islam and Christians. So, should they come closer to them or come before them? They should come shortly after them. When they (i.e. the people of Islam and the Christians) reach the *tamopradhan* stage, if they (i.e. Sikhs) are in a *satopradhan* stage; only then will they be able to confront them.

समय 59.36–01.00.08
जिज्ञासुः– बाबा, मन में अगर एक सेकेण्ड़ के लिए कोई नेगिटिव संकल्प आता है तो जो बुद्धि उसको तुरंत कंट्रोल कर लेती है तो क्या विकर्म बनते हैं?
बाबाः– नहीं। तो जीत पा ली। जीतने के संस्कार बने। एक सेकेण्ड़ में ही अगर संकल्प के ऊपर विजयी बन गया तो जीतने के संस्कार हुये, या हारने के संस्कार हुये?
जिज्ञासुः– जीतने के।
बाबाः– अगर ठहर गया और लंबे समय तक ठहरा रहा तो हारने के संस्कार बने।

Time: 59.36-01.00.08
Student: Baba, if a negative thought emerges in the mind for a second and if the intellect controls it immediately, then do we accumulate sins?
Baba: No. Then, you gained victory. You assimilated the *sanskars* of victory. If you gained victory over your thought just in a second, then is it a *sanskar* of victory or a *sanskar* of defeat?
Student: Of victory.
Baba: If it [the negative thought] remained constant and if it remained constant for a long time, then it is a *sanskar* of defeat.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समय 1.02.23–01.02.55
जिज्ञासुः– बाबा, एडवान्स का ज्ञान सुनने कोई नया आता है तो उसको पहले बेसिक का ज्ञान सिखाया जाये कि बाप का परिचय पहले दे दिया जायें?
बाबाः– वास्तव में जो सच्चाई है वो चाहे बेसिक की हो, चाहे एड़वान्स की हो एक ही होती है। ऐसे नहीं बेसिक की सच्चाई अलग है और एड़वान्स की सच्चाई अलग है। मिक्स करके भी सुना सकते हैं।
जिज्ञासुः– पहले बेसिक पढ़ाई पढ़ाये उसको फिर बाद में...?
बाबाः– पहले और बाद में पढ़ाने के लिए इतना टाइम नहीं रहा।

Time: 01.02.23-01.02.55
Student: Baba, if a new person comes to listen to the advance knowledge, should he be taught the basic knowledge first or should he be given the introduction of the Father as?
Baba: Actually, the truth, whether it is of the basic [knowledge] or of the advance [knowledge] is one and the same. It is not that the truth of the basic [knowledge] and the advance [knowledge] is different. You can also narrate it in a mixed way.
Student: Should we first teach them the basic knowledge and then….
Baba: There is not much time left to teach [the basic] first and [the advance] later.

समय 1.04.55–01.05.10
जिज्ञासुः– बाबा, हिरोशिमा और नागासाकी में जो बम्ब गिराई गए थे, उसके विकरण के प्रभाव अभी भी हैं। तो जो अगला विश्व युद्ध होगा उसमें इसक विकरण का प्रभाव तब तक कैसे खतम होगा?
बाबाः– इतनी बरसात होगी इतनी बरसात होगी विकरण का प्रभाव खलास हो जायेगा।

Time: 01.04.55-01.05.10
Student: Baba, the effect of radiations due to the dropping of bombs on Hiroshima and Nagasaki exists even today. So, after how long will the effect of radiation end when the next world war takes place?
Baba: There will be such a torrential rainfall that the effect of the radiation will subside.

समय 1.05.24–01.06.43
जिज्ञासुः– बाबा, सृष्टिचक्र में जैनियों का उल्लेखन क्यों नहीं करते हैं?
बाबाः– जैनधर्म कहा जाता है जित। जित शब्द माना जीतना। जीतने वाले को कहा जाता है जिन्न। और जिन्न को जिन्होंने फाँलो किया वो कहे जाते हैं जैन। जैसे ब्रह्मा को फाँलो करने वाले ब्राह्मण, एक मात्रा बढ़ गई। शिव को फाँलो करने वाले शैव, एक मात्रा बढ़ गई। विष्णु को फाँलो करने वाले वैष्णव, एक मात्रा बढ़ गई। ऐसे ही जिन्न को फाँलो करने वाले जैन कहे जाते हैं। और जैन का मतलब ही होता है जिन्होंने इन्द्रियों को जीत लिया उसको फाँलो करने वाले। क्या कहा? जैन धर्म कोई दूसरा धर्म नहीं है। देवी देवता सनातन धर्म का ही दूसरा नाम है जैन। अर्थात जिन्होंने इन्द्रियों को जीत लिया। तो देवताओं ने जीत लिया, या वास्तव में जैनियों ने जीता? जैनियों ने तो नाम रख लिया है जैन। वास्तव में देवतायें जो थे वो असली जैन थे। इसलिए अपने झाड़ के चित्र में जैन धर्म नहीं दिखाया गया अलग से। अलग से जैन धर्म दिखाने की दरकार भी नहीं है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 01.05.24-01.06.43
Student: Baba, why isn't it mentioned about the Jains in [the picture of] the world cycle?
Baba: Jainism means *jit*, the word *jit* means *jeetna* (to win). The one who gains victory is called *jinn*. And those who followed *jinn* are called Jain. For example, those who follow Brahma are Brahmins; one vowel increased. Those who follow Shiva are *Shaiv*; one vowel increased. Those who follow Vishnu are *Vaishnav*; one vowel increased. Similarly, those who follow *Jinn* are called Jain. And the very meaning of Jain is those who follow the person who has conquered his organs. What was said? Jainism is not any other religion. The other name of the Deity religion itself is Jain i.e. those who conquered their organs. So, did the deities conquer it or did the Jains actually conquer it? The Jains have [just] named themselves Jains. Actually, the deities were the true Jains. This is why Jainism has not been depicted separately in the picture of the Tree. There is no need to depict Jainism separately either.

समय 1.08.54–01.09.32
जिज्ञासुः– बाबा, जैसे कहते हैं कि इस कुल का होगा तो निकलेगा ज्ञान में।
बाबाः–न, निकलेगा नहीं। इस कुल का नहीं, हमारे कुल का होगा तो तुरंत हमारी बात को मानेगा।
जिज्ञासुः– अगर बाबा, ये भी बताते हैं कि मतलब जो भट्ठी कर आये एक जन तो उसका तो पूरा परिवार निकलेगा।
बाबाः– भट्ठी कर आये ऐसा तो नहीं है।
जिज्ञासुः– एक भट्ठी कर आये तो उसका पूरा परिवार निकलेगा।
बाबाः– ऐसा भी नहीं है। भट्ठी कर आये फिर आदि से लेकर के अंत तक चलता भी रहे खुद ही बीच में मर जायेगा तो उसका परिवार कहाँ से चलेगा?
जिज्ञासुः– नहीं बाबा, चलता रहे...
बाबाः– चलता रहे। हाँ।
जिज्ञासुः– फिर मतलब पूरा परिवार निकलेगा।
बाबाः– पूरा परिवार निकलेगा।

Time: 01.08.54-01.09.32
Student: Baba, for example, it is said that if someone belongs to this clan, he will emerge in knowledge...
Baba: No, he will not emerge. It is not [said:] 'this' clan; [it is said:] if he belongs to our clan, he will immediately accept our versions.
Student: But Baba, it is also said that the entire family of those who have attended *bhatti* will emerge [in knowledge].
Baba: It is not that [the entire family will emerge in knowledge] if they have attended *bhatti*.
Student: If one person attends the *bhatti*, his entire family will emerge.
Baba: No, it is not [said] so either. He should undergo the *bhatti* and then also continue to follow [the knowledge] from the beginning to the end. If he dies [i.e. leaves the knowledge] himself in between, then how will his family follow?
Student: No Baba, if he continues to follow [till the end]....
Baba: Yes, he should continue to follow [till the end].
Student: Then will the entire family emerge?
Baba: The entire family will emerge. (Concluded).

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info